प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसानों को आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रति चेताया वैज्ञानिकों ने

विश्वविद्यालय के पादप रोग वैज्ञानिकों द्वारा पूर्व में किसानों को आलू के पछेती झुलसा रोग के आने की संभावना व्यक्त की गयी थी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय समन्वित आलू शोध परियोजना, भारतीय मौसम विभाग एवं पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा आलू के पछेती झुलसा रोग के पूर्वानुमान हेतु विकसित इंडोब्लाइटीकास्ट मॉडल से आगामी कुछ दिनों में पंतनगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप के प्रारम्भिक लक्षण आलू की फसल में प्रकट हो गये है।

उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि इस स्थिति में साइमोक्जेनिल+मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ+मैन्कोजेब अथवा फैनामिडान+मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रोग की अत्याधिक तीव्रता बढ़ने पर ऊपर दिये गये किसी एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का 10–15 दिन के अन्तराल में पुनः छिड़काव करें। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का एक बार ही छिड़काव हेतु प्रयोग करें। सम्मिश्रण फंफूदनाशी के छिड़काव उपरान्त रोग की तीव्रता कम होने पर आवश्यकतानुसार मैन्कोजेब नामक फंफूदनाशी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि इस रोग के संवर्द्धन के लिये उपयुक्त न्यूनतम तापमान 10^0 सेल्सियस तथा आर्द्रता 90 प्रतिशत से अधिक होती है। मौसम तथा पछेती झुलसा रोग की तीव्रता के अनुसार ही ऊपर दिये गये फंफूदनाशियों का छिड़काव हेतु चयन करें।